खेलो इंडिया युनिवर्सिटी गेम्स से नई खेल प्रतिभाएँ मिलेंगी- भजनलाल

राज्य के सभी संभागों में विभिन्न खेलों का आयोजन किया जाएगा

जयपुर, 11 नवम्बर। ''खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स'' के माध्यम से जहां एक तरफ युवाओं में खेलों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा। वहीं, देश को नई-नई खेल प्रतिभाएं भी मिलेंगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश-प्रदेश के खिलाड़ी खेलों में नए आयाम स्थापित करेंगे। इस आयोजन से राज्य में भी खेलों के परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव आएंगे।

युवाओं में खेलों के प्रति रूचि बढ़ाने तथा युवा खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंच उपलब्ध कराने की दृष्टि से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन 24 नवम्बर से 5 दिसंबर तक किया जाएगा। 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) का आयोजन पहली बार राजस्थान में होगा। राज्य के सात शहरों -अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर, कोटा एवं जोधपुर में ये गेम्स आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- खेलो इंडिया युनिवर्सिटी गेम्स में देश भर के 200 विश्वविद्यालय भाग लेंगे। बारह दिन तक चलने वाले इस खेल महाकुंभ में 7 हजार से अधिक एथलीट भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर राज्य सरकार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के सफल आयोजन की तैयारियां सुनिश्चित कर रही है। सभी संभागों में इस संबंध में जिला प्रशासनों द्वारा विभिन्न समितियों का गठन कर दिया गया है। साथ ही, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद में भी इस संबंध में समितियों का गठन कर गेम्स के भव्य आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। यूनिवर्सिटी गेम्स का लाइव टेलीकास्ट प्रसार भारती द्वारा करवाया जाएगा।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में देशभर से लगभग 200 विश्वविद्यालय भाग लेंगे। 12 दिनों तक चलने वाले खेलों के इस महाकुंभ में 24 खेलों में 7 हजार से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। केन्द्र सरकार द्वारा आयोजित होने वाले इन खेलों का आयोजन संभागवार किया जाएगा। जिसके तहत जयपुर में 11, उदयपुर में 3, अजमेर, भरतपुर, बीकानेर, जोधपुर एवं कोटा में 2-2 खेलों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, कल बुधवार को केआईयूजी के लोगो, मैस्कॉट, एंथम, टॉर्च और जर्सी का अनावरण आमेर किला के जलेब चौक पर किया जाना प्रस्तावित है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने विस्फोट पीड़ितों को मुआवजे की घोषणा की

नयी दिल्ली, 11 नवम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने लालकिला क्षेत्र में हुए भयानक विस्फोट से प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिजन को 10 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि यह हादसा बेहद दुखद और हृदयविदारक है। किसी भी व्यक्ति का यूं असमय चले जाना परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है, जिसे कोई भी भर नहीं सकता। दिल्ली सरकार इस कठिन घड़ी में हर पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि घायलों को समुचित उपचार और वित्तीय सहायता शीघ्र उपलब्ध कराई जाए, ताकि कोई भी पीड़ित व्यक्ति इलाज के अभाव में पीड़ा न सहे।

- विस्फोट में मारे गये प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 10 लाख रुपये सहायता राशि दी जायेगी।

बिहार चुनाव : दूसरे चरण में 69 प्रतिशत मतदान हुआ

पटना, 11 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच लगभग तीन करोड़ 70 लाख मतदाताओं में से करीब 69 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए 1,302 उम्मीदवारों का भाग्य ईवीएम में बंद कर दिया।

राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 122 सीटों पर करीब 69 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर मतदान शांतिपूर्ण रहा।

दूसरे चरण के चुनाव में राजग के घटक भाजपा के 53, जदयू के 44, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 15,राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के 04 प्रत्याशी और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के छह प्रत्याशी अखाड़े में उतरे थे। वहीं महागठबंधन के घटक राजद के 71, कांग्रेस के 37, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सात,भारत की कम्युनिस्ट पार्टी माक्सर्ववादी लेनिनवादी (भाकपा माले) के 06, भारतीय कम्युनिट पार्टी (भाकपा) के चार और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) का एक उम्मीदवार चुनावी मैदान में है। मोहिनियां सुरक्षित सीट पर राजद ने श्वेता सुमन को चुनावी दंगल में उतारा था, लेकिन उनका नामांकन रद्द हो गया। राजद ने यहां निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व सासंद छेदी पासवान के पुत्र रवि शंकर पासवान को समर्थन दिया था।

वहीं सुगौली सीट पर मुकेश सहनी की पार्टी विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के उम्मीदवार शशि भूषण सिंह का नामांकन रद्द हो गया था।वीआईपी ने यहां राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के पुत्र तेज प्रताप यादव की पार्टी जन शक्ति जनता दल के उम्मीदवार श्याम किशोर भारती को समर्थन दिया था।प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने 120 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे थे।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा की 243 सीटों में से 121 सीटों पर प्रथम चरण के तहत 06 नवंबर को चुनाव संपन्न हुआ था। पहले चरण के मतदान में मतदाताओं ने 65.08 प्रतिशत मतदान दर्ज कर राज्य के चुनावी इतिहास में एक नया कीर्तिमान बनाया था। दूसरे चरण का मतदान आज शाम छह बजे संपन्न हो गया। 14 नवंबर को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किये जायेंगे।

- राज्य की 122 विधानसभा सीटों पर तीन करोड़ 70 लाख मतदाताओं में से 69 प्रतिशत ने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान शांतिपूर्वक पूरा हुआ।

मुख्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में सचिव के पद पर सेवाएं दे चुके हैं। राजस्थान कैडर के 1991 बैच के आईएएस वरिष्ठ आईएएस सुधांश पंत मूलतः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के रहने वाले हैं। राजस्थान कैडर मिलने के बाद सुधांश पंत ने राजस्थान में लंबे समय तक काम किया।

वरिष्ठ आईएएस सुधांश पंत नरेन्द्र मोदी सरकार के पसंदीदा अफसर माने जाते रहे हैं। इसी लिहाज से उन्हें डेप्यूटेशन पर दिल्ली बुलाया गया, जहां उन्होंने भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय में सचिव के पद पर सराहनीय काम किया था। इसके बाद, राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाने के बाद मोदी सरकार ने उन्हें राजस्थान में मुख्य सचिव के पद की अहम जिम्मेदारी सौंपी थी।

इस्लामाबाद जिला न्यायालय में विस्फोट से 12 की मौत

विस्फोट के कारणों की जांच हो रही है, अभी तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली

इस्लामाबाद, 11 नवंबर। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के जी-11 इलाके में मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायालय के मुख्य द्वार पर एक विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गयी और 20 अन्य घायल हो गये। समाचार पत्र डॉन ने यह जानकारी दी है।

एक सुरक्षा सूत्र ने सीएनएन को बताया कि न्यायालय के निकट हुए विस्फोट की जांच आत्मघाती हमले के रूप में की जा रही है।

- इस्लामाबाद एक उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है। यह विस्फोट शहर के व्यस्त न्यायिक परिसर के पार्किंग स्थल में हुआ।

डॉन ने इस्लामाबाद के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा कि विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। विस्फोट के कारणों की जांच भी की जा रही है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में सुरक्षा अवरोधक के पीछे जले हुए वाहन से आग की लपटें और घना धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा है।

सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और बचाव एवं जांच दल घटनास्थल पर मौजूद हैं। अधिकारियों ने अभी तक विस्फोट की प्रकृति या संभावित संदिग्धों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी है। इस्लामाबाद एक उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र है और विस्फोट शहर के व्यस्त न्यायिक परिसर के पार्किंग स्थल में हुआ, जहां कई उच्च स्तरीय सरकारी कार्यालय स्थित हैं।

अभी तक किसी भी समूह ने इस हमले की ज़िम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक कैडेट कॉलेज पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले के एक दिन बाद हुआ है।

'ट्रंप के अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत के सामने इस समय खड़ी मुश्किलों का जिक्र करते हुये, राजन ने कहा, ''भारत के पास ज़्यादा विकल्प नहीं हैं। उसकी चीन के साथ लंबी सीमा लगती है, एक बड़ा युद्ध और कई झड़पें हो चुकी हैं। भारत चीन से शंकित और आशंकित है, और इस बात से भी चिंतित है कि चीनी सामान भारत के बाजार में भरता जा रहा है। भारत चीनी निवेश का स्वागत तो करता है, लेकिन वह उस पर निर्भर होने से बचना भी चाहता है।''

राजन ने आगे कहा कि जापान, ऑस्ट्रेलिया और अन्य क्वाड देशों के साथ भारत के अच्छे संबंध हैं, पर वह ''अमेरिका के साथ मजबूत रिश्ता बनाना चाहता था'' और ''इस बात से बहुत निराश है कि यह रिश्ता अस्तित्व में नहीं आ सका है।''

उन्होंने यह भी बताया कि 50 प्रतिशत टैरिफ का असर किस तरह से अलग-अलग उद्योगों पर अलग-अलग पड़ा है। उन्होंने कहा, ''कुछ ऐसी कंपनियां हैं, जैसे ऐप्पल, जो सरकार को मनाकर छूट हासिल कर सकती हैं, जिसका अर्थ होगा कि वे टैरिफ से कम प्रभावित होंगी। लेकिन छोटी कम्पनियों के लिए यह 50 प्रतिशत शुल्क झेलना मुश्किल है, जिससे वे अपने उत्पाद अमेरिका में बेच नहीं पा रहीं।'' राजन ने चेतावनी दी, ''एक बार जब ये व्यापारिक संबंध टूट जाएं तो दोबारा बनाना कठिन होता है, क्योंकि तब तक बांग्लादेश या वियतनाम जैसी जगहों की कंपनियां वह जगह ले लेती हैं। इसलिये इस ऊँचे टैरिफ की मार तो झेलनी ही पड़ेगी। इसका असली नुकसान छोटे और मझोले उद्योगों को उठाना पड़ेगा, और जितना लंबा यह चलेगा, यह उतना ही स्थाई रुप से टूट जाएगा।''

बढ़ते प्रदूषण के कारण दिल्ली में ग्रैप-3 लागू

नयी दिल्ली, 11 नवंबर। दिल्ली सरकार ने ग्रैप- 3 लागू होने के बाद दिल्ली में पांचवीं कक्षा तक के स्कूलों को आनॅलाइन/ऑफलाइन करने का निर्णय लिया है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने राजधानी दिल्ली में बढ़ ते प्रदूषण के मद्देनजर मंगलवार से ग्रैप- 3 लागू कर दिया है। सीएक्यूएम ने अपने आदेश में कहा कि राजधानी दिल्ली और आस-पास के क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता को और बिगड़ने से रोकने के प्रयास में ग्रैप-3 के सभी उपायों को तुरंत लागू करने का फैसला किया गया है।

- दिल्ली के सभी स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि पांचवी तक के बच्चों की कक्षाएं हाइब्रिड मोड में चलायें।

दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने सीएक्यूएम के आदेश का हवाला देते हुए पांचवी कक्षा तक के स्कूलों को ऑनलाइन/ऑफलाइन रूप से संचालित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इसमें एनडीएमसी, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली छावनी बोर्ड के सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, गैर-सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों के प्रमुखों को निर्देश दिया जाता है कि वे पांचवी कक्षा तक के बच्चों के लिए हाइब्रिड मोड में कक्षाएं चलाएं। यह अगले आदेश तक तुरंत प्रभाव से लागू रहेगा।

दिल्ली विस्फोट के मुख्य संदिग्ध डॉ. उमर नबी के माता-पिता को हिरासत में लिया

अधिकारिक सूत्रों के अनुसार उन्हें डीएनए परीक्षण के लिये हिरासत में लिया गया है

श्रीनगर, 11 नवंबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दिल्ली विस्फोट के मुख्य संदिग्ध डॉ. उमर नबी के माता-पिता को डीएनए परीक्षण के लिए दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले से हिरासत में लिया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

सूत्रों के अनुसार उमर उमर विस्फोट में मारा गया था या अभी भी फरार है, इस बात का पता लगाने के लिए नमूनों का दिल्ली के एक अस्पताल में रखें शवों से मिलान किया जाएगा।

पुलिस के अनुसार उमर एक आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा था और प्रतिबंधित संगठनों जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीयूएच) के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ होने के बाद हरियाणा के फरीदाबाद और उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से दो डॉक्टरों की गिरफ्तारी के बाद छिप गया था।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''उमर मुख्य संदिग्ध है और ऐसा लगता है कि विस्फोट उसी अंतरराज्यीय मॉड्यूल द्वारा किया गया है जिसका हाल ही में भंडाफोड़ हुआ था।'' उन्होंने आगे कहा, ''हमने पूछताछ के लिए कम से कम छह लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें उमर का एक डॉक्टर दोस्त भी शामिल है।'' फरीदाबाद के अल-फलाह विश्वविद्यालय में कार्यरत उमर ,एक आतंकी मॉड्यूल से कथित संबंधों के आरोप में फरीदाबाद के डॉ. मुज़म्मिल गनई की गिरफ्तारी के बाद से फरार था।

श्रीनगर शहर के बाहरी इलाके में जैश के पोस्टर मिलने की जाँच के दौरान इस कथित मॉड्यूल का खुलासा हुआ।

पुलवामा के कोइल इलाके में रहने वाले उमर के परिवार ने बताया कि उन्होंने उससे आखिरी बार शुक्रवार को बात की थी। उमर की भाभी ने कहा, ''वह पिछले डेढ़ साल से जम्मू-कश्मीर से बाहर था।''

पुलवामा के कई अन्य निवासियों को सोमवार रात से पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। इनमें संबूरा गाँव का आमिर राशिद भी शामिल है, जो कथित तौर पर विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार का वर्तमान मालिक है। सूत्रों ने बताया कि उसके भाई और तीन अन्य स्थानीय लोगों को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

- यह पता लगाने के लिये कि उमर नबी विस्फोट में मारा गया या फरार है, डीएनए के नमूनों का दिल्ली के अस्पताल में रखे शवों से मिलान किया जायेगा।

वोटर्स को उकसाने के मामले में आजम खान दोषमुक्त हुए

रामपुर, 11 नवंबर। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में वोटरों को उकसाने के मामले में रामपुर की एक अदालत ने समाजवादी पार्टी (सपा) नेता आजम खां को दोषमुक्त करार दिया है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां के खिलाफ वोटरों को उकसाने के मामले में आज फैसला आया है। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन से संबंधित है, जब आजम खां पहली बार चुनाव लड़े थे। मुकदमे की सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में हुई।

तीन दिन लाल किला जनता के लिये बंद रहेगा

नयी दिल्ली, 11 नवंबर। राजधानी दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास सोमवार शाम को हुए बम विस्फोट के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने अगले तीन दिनों तक लालकिला को जनता के लिए बंद कर दिया है। इस विस्फोट में 10 लोगों की मौत हो गयी और अन्य 24 घायल हो गए।

इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम को दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी (एफआईआर) में औपचारिक रूप से ''बम विस्फोट'' के रूप में दर्ज किया है।

- सोमवार को हुए बम विस्फोट के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने यह निर्णय लिया।

विस्फोट से पास की दिल्ली पुलिस की एक चौकी की दीवार क्षतिग्रस्त हुई है।

इस घटना के बाद पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एहतियात के तौर पर कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर पर रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की टुकड़ियाँ तैनात की गई हैं। आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि लाल किले के पास हुआ विस्फोट एक आतंकवादी हमला था। दिल्ली विस्फोट और हाल ही में फरीदाबाद में पकड़े गए एक आतंकवादी मॉड्यूल के बीच संबंधों के उजागर होने के बाद जाँच में तेजी आयी है। स्थिति की गंभीरता और आतंकवादी संबंधों को देखते हुए, यह मामला आधिकारिक तौर पर देश की संघीय आतंकवाद विरोधी एजेंसी, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपे जाने की उम्मीद है।

सभी एग्ज़िट पोल ...

- नीतीश की पार्टी के सिमटने का प्रमुख कारण था चिराग पासवान द्वारा भाजपा के प्रोत्साहन से नीतीश के सभी प्रत्याशियों के सामने अपने उम्मीदवार खड़ा करना।
- एग्ज़िट पोल्स के अनुसार, प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी लगभग दस प्रतिशत वोट पाएगी और इसका सबसे भारी नुकसान महागठबंधन को हुआ है, क्योंकि आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी यूथ व माइग्रेंट वर्कर्स के वोटों के लिए प्रयासरत थे।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में जेडीयू की सीटें घटकर 44 रह गई थीं। इसका मुख्य कारण एलजेपी (आरवी) नेता चिराग पासवान का वह निर्णय था, जिसमें उन्होंने भाजपा के इशारे पर जेडीयू के खिलाफ उम्मीदवार उतारे थे।

अगर इस बार जेडीयू का प्रदर्शन बेहतर रहता है, तो एनडीए के भीतर की कलह समाप्त हो जाएगी और भगवा पार्टी को नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के रूप में लंबे कार्यकाल के लिए समर्थन देना पड़ेगा। चुनाव प्रचार के ज़्यादातर समय तक भाजपा ने मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर अस्पष्ट रुख रखा था, लेकिन अभियान के अंत में उसने नीतीश कुमार के नाम का समर्थन किया।

अगर चुनाव विश्लेषकों के अनुमान सही साबित होते हैं तो प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी (जेएसपी) को 10 से कम सीटें मिलेंगी। हालांकि उनकी पार्टी के वास्तविक प्रभाव का आकलन अंतिम परिणाम और वोट प्रतिशत आने के बाद ही किया जा सकेगा। यदि जेएसपी को 10 प्रतिशत वोट मिलते हैं, तो इसका अर्थ होगा कि चुनाव मैदान में उनके उतरने से महागठबंधन को नुकसान पहुँचा। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और जेएसपी के प्रशांत किशोर, दोनों ने ही एक ही मतदाता वर्ग, यानी युवाओं और प्रवासी मजदूरों, में पकड़ बनाने की कोशिश की थी।

अंता में जातिगत समीकरण हावी रहा, मुकाबला केवल भाजपा व कांग्रेस के बीच

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा अपने समाज के वोट हासिल करने में सफल रहे, पर, अन्य समाज को साथ नहीं ले पाए

कोटा, 11 नवम्बर (निसं)। राजस्थान की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव में करीब 80 फ़ीसदी मतदान हुआ है। भाजपा के मोरपाल सुमन, कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया और निर्दलीय नरेश मीणा के बीच त्रिकोणीय मुकाबला था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, वसुंधरा राजे, अशोक गहलोत, सचिन पायलट आदि ने अपने -अपने प्रत्याशी को जिताने के लिए प्रचार किया। इन तीनों प्रत्याशियों के अलावा 15 अन्य उम्मीदवार भी मैदान में हैं।

इस चुनाव में दोनों पार्टियों ने जान लगाई हुई थी, क्योंकि यह उपचुनाव भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए नाक का सवाल बना हुआ है। दोनों पार्टियों के बड़े नेताओं से लेकर विधायक और सांसद तक यहां डेरा डाले हुए थे। पूरे प्रदेश की नजर अंता के इस चुनाव पर टिकी है। मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, पूर्व उपमुख्यमंत्री, दोनों पार्टियों के प्रदेश अध्यक्ष, सांसद और विधायकों ने यहां प्रचार-रैलियां की हैं। नेताओं की लंबी फौज लगाई गई थी। एक-एक पंचायत के लिए विधायक या पूर्व विधायक को प्रभारी बनाया गया। दोनों पार्टियों ने ऐसा किया। कहा जा रहा है कि इस चुनाव के परिणाम पर जातिगत समीकरण ही हावी रहेंगे। यहां पर माली मतदाताओं की संख्या 40 हजार से अधिक है। ऐसी स्थिति में भारतीय जनता पार्टी ने मोरपाल सुमन को प्रत्याशी बनाकर माली मतों पर एक मुश्त कब्जा करने की कोशिश की है, जबकि यहां पर मीना मतदाताओं की संख्या भी 35 हजार के करीब है। गत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने यहां से कंवरलाल मीणा को टिकट दिया था।

- कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन 'भाया' ने मजबूती से चुनाव लड़ा है और वे अपने आपको जीतने की स्थिति में मानते हैं।

कंवरलाल मीणा तब मीणा मतदाताओं में सेंध लगाने में सफल रहे और कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया करीब 5800 मतों से चुनाव हार गए। कंवर लाल मीणा की सदस्यता रद्द होने के कारण यहां पर उपचुनाव हुआ है। मुकाबला इसलिए रोचक हो गया है, क्योंकि यहां पर निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने भी ताल ठोक रखी है। स्पष्ट रूप से मीणा मतदाताओं ने बहुतायत में नरेश मीणा के समर्थन में मतदान किया है। माली मतदाता भाजपा का परंपरिक वोटर है और वह मोरपाल सुमन के पक्ष में गया है। परंतु प्रमोद जैन भाया ने प्रभुलाल सैनी से चुनाव हारने के बाद माली मतदाताओं के मध्य काफी काम किया है। यही स्थिति कंवरलाल मीणा से चुनाव हारने के बाद भी रही है। ऐसी स्थिति में प्रमोद जैन भाया माली और मीणा समाज के कुछ वोट हासिल करने में सफल रहे हैं।

यहाँ गुर्जर और मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 20-20 हजार के करीब है। सचिन पायलट की भाया के पक्ष में चुनावी रैली के बाद गुर्जर समाज के अलावा, युवा और शिक्षित मतदाता कांग्रेस के पक्ष में आया है। इस चुनाव में जातिवाद हावी होने के कारण ब्राह्मण और बनिया मतदाता जनरल प्रत्याशी को अपना समर्थन देने की पैरवी करता दिखा है। जनरल मतदाताओं का कहना है कि जब मीणा समाज के लोग मीणा समाज के व्यक्ति को और माली समाज के लोग माली समाज के व्यक्ति को समर्थन दे रहे हैं तो फिर हम जनरल व्यक्ति को समर्थन क्यों न दें। इन सब समीकरणों को देखते हुए मुकाबला केवल भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के मध्य ही है।

भाया चुनाव के मंजे हुए खिलाड़ी हैं और उन्होंने चुनाव की घोषणा होने के साथ ही अपने क्षेत्र में काम शुरू कर दिया था। भाया के समर्थन में कांग्रेस नेताओं की बड़ी फौज अंतिम समय तक चुनाव में डटी रही। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची तो अंता के लिए जारी की, लेकिन इनमें से केवल 10-12 स्टार प्रचारक ही प्रचार के लिए पहुंचे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा मोरपाल सुमन के पक्ष में रोड शो करने से जरूर मोरपाल सुमन की स्थिति सुधरी है, परंतु वे जीत के जादुई आंकड़े तक पहुंच पाएंगे, यह कहना मुश्किल है। मीणा मतदाताओं के निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के समर्थन में जाने के बावजूद, प्रमोद जैन भाया की स्थिति मजबूत नजर आ रही है। एसटी वर्ग के मतदाताओं ने साइलेंट होकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया है।

ट्रंप बीबीसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेशकश की है। उन्होंने सार्वजनिक साक्षात्कारों में कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से माफी भेजने के लिए समय मांगेंगे। उन्होंने यह स्वीकार किया कि ट्रंप के भाषणों को काट-छांटकर प्रस्तुत करने में निर्णय की गलती हुई, जिससे ऐसा आभास हुआ कि ट्रंप हिंसा के लिए उकसा रहे हैं।

इस बीच, बीबीसी के पूर्व महानिदेशक ने संस्था के कर्मचारियों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि बीबीसी की पत्रकारिता के मानक अत्यंत उत्कृष्ट हैं और उन्हें इस पर गर्व है। उन्होंने सोमवार को बीबीसी के महानिदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन कर्मचारियों से बात करने के लिए कार्यालय पहुँचे।

उन्होंने कर्मचारियों को बीबीसी के भविष्य को लेकर आश्वस्त किया और भरोसा जताया कि बीबीसी के वित्त पोषण के लिए मौजूदा लाइसेंस शुल्क प्रणाली भविष्य में भी जारी रहेगी। टिम डेविस वर्तमान संकट के संदर्भ में दृढ़ व विद्रोही रुख में दिखाई दिए और उन्होंने बार-बार कहा कि उन्हें बीबीसी की पत्रकारिता पर गहरा गर्व है।

व्यापक रूप से माना जा रहा है कि डॉनल्ड ट्रंप इस समय मीडिया घरानों के खिलाफ आक्रामक बयानबाजी के मूड में हैं और मीडिया को अपने दृष्टिकोण से सहमत करने के लिए भारी-भरकम हर्जाने की धमकियाँ दे रहे हैं। वे मीडिया को डराने की कोशिश कर रहे हैं, जैसा किसी अन्य राष्ट्रपति ने अब तक नहीं किया।

वर्तमान में ब्रिटेन की नरम नीति और सरकार के विनम्र समर्पण को देखते हुए यह आशंका जताई जा रही है कि बीबीसी को अपने देश से भी पर्याप्त समर्थन नहीं मिलेगा। इसके अलावा, अमेरिकी राष्ट्रपति के करीबी राजनीतिक हलके भी अब बीबीसी पर लगातार हमले कर रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप के कुछ मित्र और समर्थक मीडिया साक्षात्कारों में बीबीसी पर पूर्वाग्रह का आरोप लगा रहे हैं और बड़े हर्जाने के दावे की चर्चा दोहरा रहे हैं।

दूसरी ओर, ब्रिटिश जनता का एक वर्ग अमेरिकी राष्ट्रपति और वाइट हाउस के रवैये से नाराज़गी जता रहा है। कुछ लोगों ने कहा है कि अगर बीबीसी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी भी प्रकार का हर्जाना दिया, तो वे टीवी लाइसेंस शुल्क देने से इनकार कर देंगे, जिससे बीबीसी को धन प्राप्त होता है।

कुछ लोगों का यह भी मानना है कि बीबीसी ने अपनी रिपोर्टिंग में पक्षपात दिखाया है, खासकर गाज़ा से जुड़ी घटनाओं के संदर्भ में।

पूर्व विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाईकोर्ट ने आरोपी को निचली कोर्ट में पेश होने के लिए भी कहा था। लेकिन इसके बावजूद भी आरोपी निचली कोर्ट में पेश नहीं हो रहा। जिस पर एसीजेएम कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर उसे तलब किया है।

राज्यपाल ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और अनियमित भुगतान के अलावा नियम-प्रावधानों के विपरीत जाकर मनमर्जी से कार्य करने, वित्त विभाग के नियमों का उल्लघंन कर विश्वविद्यालय को वित्तीय हानि पहुंचाने के आरोप प्रमाणित पाए गए हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600